3 korba-pg1_Layout 1 5/3/2025 11:28 PM Page 1

तापमान
अधिकतम 39.0 डिग्री
न्यूनतम 19.0 डिग्री

हरिभूमि कोरबा भूमि

बिलासपुर, रविवार 4 मई 2025

दीपका | कटघोरा | छुरी | पाली | करतला | पोंड़ीउपरोड़ा

4 गलत सिग्नल मिला, गेवरा जाने वाली लोकल पहुंच गई कुसमुंडा साइडिंग

खबर संक्षेप

प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 8 को

कोरबा। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र कोरबा में 8 मई को प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। प्लेसमेन्ट कैम्प के माध्यम से एस.के.सेफ्टी विंग (एमाजॉन) हैदराबाद के अंतर्गत वेसरहाउस एसोसिट्स के कुल 500 पद, कार्यस्थल हैदराबाद, मित्रा ग्रुप ऑफ कंपनी रायपुर के अंतर्गत सुपरवाईजर के 10 और सर्वेयर के 20 पद, कार्यस्थल कोरबा, वेदान्ता स्कील स्कूल बालको कोरबा अंतर्गत सिविंग मशीन आपरेटर इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, होटल मैनेजमेंट, सोलर पी.व्ही.इंस्टालर, मोबाईल रिपेयरिंग एण्ड हार्डवेयर के 60-60 पद, कार्यस्थल छत्तीसगढ़ हेतु पात्र हितग्राहियों की नियुक्ति की जायेगी।उक्त पदों पर शैक्षणिक योग्यता 8 वीं से स्नातक उत्तीर्ण, आयुसीमा 18 वर्ष से अधिक एवं वेतनमान रूपये 10 हजार से 20 हजार तक नियोजक द्वारा निर्धारित किया गया है। इच्छुक आवेदक आवेदिकाओं से उक्त तिथि को अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कैंप का लाभ उठाने का आग्रह किया गया है।

ग्राम पंचायतों में क्लस्टरवार समाधान शिविर 31 तक

कोरबा। सुशासन तिहार के तृतीय चरण 5 से 31 मई के बीच जिले के सभी विकासखंडों के क्लस्टर ग्रामों में समाधान शिविर आयोजन कर ग्रामीणों को शासकीय योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्राप्त आवेदनों के निराकरण की भी जानकारी दी जाएगी। समाधान शिविर के तहत आगामी 5 मई को कोरबा विकासखंड के ग्राम पंचायत भैसमा कलस्टर अंतर्गत सम्मिलित ग्राम पंचायत भैसमा, ढोंगदरहा, चीतापाली, करमंदी, बगबुड़ा, चाकामार, करूमौहा, कुरूडीह, गोढ़ी, बेंदरकोना, मुढुनारा, हेतु भैसमा हाई स्कूल भवन में सशिविर आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य कार्यक्रम 31 तक

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत के मार्गदर्शन में तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एसएन केशरी के नेतृत्व में माह मई नगर निगम, पंचायत विभाग, समाज कल्याण विभाग, आयुष विभाग तथा राजस्व विभाग के सहयोग से राष्ट्रीय बुजुर्ग स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम के तहत जिले के शहरी तथा ग्रामीण समस्त सामुदायिक तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में विभिन्न तिथियों में विभीन्न बिमारियों की स्क्रीनिंग हेतु सवास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिले के स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपने कार्य क्षेत्र अंतर्गत समस्त 60 वर्ष से अधिक उम्र के वयोवृद्ध व्यक्तियों का शतप्रतिशत स्क्रीनिंग कर बिमारियों या परेशानियों को चिन्हित करेंगे तथा उन्हें उपचार या सहायक उपकरण कि आवश्यकता होने उपचार एवं सहायक उपकरण प्रदान किया जाएगा। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि वयोवृद्ध लोगों के स्वास्थ्य जाँच हेतु 5 से 31 मई तक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा।

वीआईपी रोड पर गिरी पेड़ की डगाल।

तेज आंधी से सड़क पर गिरा पेड़।

आंधी से उड़ा दुकान का शेड।

नालियों का गंदा पानी बहा सड़कों पर, बैशाख में दिखी सावन की झड़ी

तेज हवा के साथ कई स्थानों में गिरे पेड़, तीन घंटे झमाझम बारिश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

पिछले एक सप्ताह से मौसम में लगातार आ रहे बदलाव से शहर के साथ ग्रामीण अंचलों में बेमौसम बारिश होने से जनजीवन प्रभावित होने के साथ मौसम का तापमान भी गिरने के कारण लोगों को गर्मी से राहत मिली है शनिवार को दोपहर दो

खास बात

- शहर और उपनगरीय क्षेत्रों में घंटों रही बिजली गुल

बजे के बाद तेज हवा चलने के साथ कई स्थानों में पेड़ गिरने की घटनाएं हुई और झमामझ बारिश से मुख्यमार्गों में जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई। शहर और उपनगरीय क्षेत्रों में घंटों बिजली गुल रही जो देर शाम दुरुस्त हो सकी।

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव की स्थिति थमने का नाम नहीं ले रहा है। अप्रैल महीने के अंतिम दिनों से लेकर मई माह के शुरुआत से ही बेमौसम बारिश शुरु हुई है जो तीसरे दिन भी जारी रही। रुक रुककर होने वाली बारिश से मौसम के तापमान में उतार चढ़ाव लगातार बना हुआ है। शनिवार को सुबह से ही धूप निकली हुई थी और लोगों को गर्मी का एहसास होने लगा था दोपहर 2 बजे के बाद तेज हवाओं के साथ मौसम ने जो करवट बदली उसके बाद से शाम 6 बजे तक रुक-रुककर झमाझम बारिश हुई। कई स्थानों में मुख्यमार्गों में जलभराव की स्थिति देखी गई। तेज हवाओं के कारण वीआईपी मार्ग में पेड़ की डगाल बीचो बीच गिर गई। इससे कुछ देर के लिए वीआईपी रोड में आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामनाकरना पड़ा। इसके अलावा एसईसीएल मुख्यमार्ग के साथ बालको क्षेत्र में भी पेड़ों की डगाल गिरने की घटनाएं सामने आई है। मौसम के साथ तेज हवाओं ने शहर में नुकसान बढ़ा दिया है, सीएसईबी चौक में दुकान में लगे टीन के शेड हवा में उड़ गए जिससे किसी प्रकार की जनहानि नही हुई है, बुधवारी महाराणा प्रताप चौक में सड़क में पेड़ गिर जाने से आवागमन में जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, शहर में विभिन्न क्षेत्रों में मौसम का कहर देखने को मिला है।

सड़क के बीचो बीच में गिरा पेड़।

आम और सब्जी की फसल को नुकसान, तेंदूपत्ता तोड़ाई प्रभावित

पाली क्षेत्र में विगत तीन दिन से दोपहर बाद बदल रहे मौसम के मिजाज से आम जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। भीषण गर्मी से लोगों को राहत जरूर मिला है, लेकिन बिजली, पेयजल जैसी कई समस्याओं सहित किसानों को सब्जी, आम आदि की फसलों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं तेंदूपत्ता तोड़ाई भी प्रभावित हुआ है। बैशाख माह मे तेज गर्मी पड़ती है हालांकि इसका एहसास पिछले हफ्ते हुआ था। जब अधिकतम तापमान 43 डिग्री तक पहुंच गया था उसके बाद से रोज बदली गरज चमक, आंधी तूफान और बारिश हो रही है। सवेरे जहां तेज धूप और उमस से लोग परेशान रहते हैं, वहीं दोपहर बाद अचानक मौसम के तेवर बदल जाने से लोगों को रेनकोट, और छतरी की जरूरत पड़ रही है जबकि रात में मौसम ठंडा होने से लोगों के चादर कंबल भी निकालने की जरूरत पड़ गई है। मौसम के इस बदले में मिजाज से सब्जी आम आदि की फसल को नुकसान पहुंचा है. तेंदूपत्ता तोड़ई कार्य भी प्रभावित होगा। ईंट भट्ठा को भी नुकसान पहुंचा है तो वहीं पेड़ों के गिरने से बिजली सेवा भी बाधित हो रही है।

पीएम आवास का गिरा छज्जा, दो घायल

घायल रविदास।

तेज आंधी पानी का कहर मोतीसागरपारा वार्ड में एक गरीब परिवार पर टूट पड़ा। बताया जाता है कि मोतीसागरपारा वार्ड में रविदास अपने परिवार के साथ निवास करता है। वर्ष 2023 में उसके पत्नी पन्न बाई के नाम से पीएम आवास स्वीकृत हुआ था, जिसका निर्माण कार्य चलने के कारण उक्त परिवार बगल के झोपड़ी में निवास कर रहा था। शनिवार को जब बारिश हुई तो रविदास परिवार सहित घर में खाना खा रहा था तो अचानक निर्माणाधीन पीएम आवास का छज्जा गिरने से रविदास के सिर में चोट आई वहीं उसकी पांच साल की बेटी का पैर दब गया। आसपास के पड़ोसियों ने मौके में पहुंचकर घायल परिवार को बाहर निकाला और उपचार के लिए अस्पताल ले गये। इस घटना से पीएम आवास निर्माण में किए जा रहे घटिया निर्माण की पोल खुल गई है।

वैवाहिक मुहूर्त में बारिश का असर

अक्षय तृतीया का पर्व वैवाहिक दृष्टि से सबसे मंगल मुहूर्त माना जाता है। ऐसे में गांव-गांव में इन दिनों शादी का माहौल है। टेंट तंबू सजावट की चीज आदि लगी हुई है जो इस बारिश और तूफान से वैवाहिक कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही है। आने वाले हफ्ते में भी मौसम का ऐसा ही रंग देखने को मिलेगा। अमूमन ऐसा मौसम 25 मई के बाद प्रि मानसूनी बारिश और नौतपा के दौरान दिखाई देता है लेकिन जेठ वैशाख की भीषण गर्मी के दौरान ऐसे मौसम ने लोगों की मुसीबतें बढ़ा दी है। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों में लगाए गए विवाह के पंडाल उड़ गए इससे आम लोग प्रभावित हुए हैं।

निगम का नाली निर्माण बना परेशानी का सबब

पिछले एक साल से टीपी नगर सीएसईबी चौक मार्ग में चल रहे नाली निर्माण बेमौसम बारिश में आम लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। नाली निर्माण अधूरा रहने की वजह से शनिवार को हुई बारिश से सीएसईबी चौक से टीपी नगर तक बनी नाली का पानी टीपी नगर चौक में भर गया। इसके साथ ही टैक्सी स्टैंड के सामने संचालित होटल में भी पानी का भराव हो गया। पूरी गंदगी टैक्सी स्टैंड के व्यवसायियों के दुकानों तक पहुंच गई। इससे नगर निगम की सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई है। साथ ही नाली निर्माण का काम पूरा नहीं होने का खामियाजा टीपी नगर टैक्सी स्टैंड के व्यवसायियों को भुगतना पड़ रहा है। नगर निगम अब तक एक साल में नाली का निर्माण पूरा नहीं करा सका। जबकि इसकी मियाद पूरी हो चुकी है और अभी भी काम अधूरा पड़ा हुआ है।

आकाशीय बिजली से यूनिट में जर्क, विद्युत उत्पादन ठप

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

तेज आंधी के साथ आकाशीय बिजली चमकने की वजह से हुए जर्क के कारण उत्पादन कंपनी के डीएसपीएम संयंत्र की 250 मेगावाट

खास बात

- डीएसपीएम संयंत्र की 250 मेगावाट क्षमता वाली इकाई क्रमांक 1 उत्पादन से बाहर

क्षमता वाली एक इकाई उत्पादन से बाहर हो गई। मरम्मत के बाद इकाई से दोबारा विद्युत उत्पादान का प्रयास किया गया पर सफलता नहीं मिली। तकनीकी विशेषज्ञों की टीम इकाई में आई तकनीकी खराबी के मरम्मत कार्य में जुटे हुए हैं। अधिकारियों की मानें तो देर रात तक संभवतः बंद पड़ी इकाई से दोबारा विद्युत उत्पादन शुरु कर दिया जाएगा।

छग राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की 500 मेगावाट क्षमता वाले डीएसपीएम संयंत्र की 250 मेगावाट क्षमता वाली इकाई क्रमांक 1 उत्पादन से बाहर हो गई है। दरअसल शनिवार की शाम चले तेज आंधी व तूफान के दौरान जमकर आकाशीय बिजली चमकी। आकाशीय बिजली से होने वाले जर्क के कारण डीएसपीएम संयंत्र की इकाई क्रमांक 1 से विद्युत उत्पादन ठप्प पड़ गया। सूचना मिलने पर तकनीकी विशेषज्ञों की टीम इकाई में आई तकनीकी खराबी के मरम्मत कार्य में जुट गए। इकाई को दो बार उत्पादन में लाने का प्रयास किया गया लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। बार बार इकाई में ट्रीप होने की समस्या सामने आ रही थी। संयंत्र के अधिकारियों की मानें तो तकनीकी विशेषज्ञों की टीम मरम्मत कार्य में जुटी हुई है। देर रात तक संभवतः इकाई से दोबारा विद्युत उत्पादन शुरु कर दिया जाएगा।

फाइल फोटो

मरम्मत कार्य जारी

लाईटनिंग की वजह से होने वाले जर्क के कारण इकाई ट्रीप हो गई थी। मरम्मत के बाद इकाई से दोबारा विद्युत शुरु करने प्रयास किया जा रहा है। संभवत: देर रात तक इकाई से विद्युत उत्पादन शुरु कर दिया जाएगा।

-श्री कंसल, मुख्य अभियंता डीएसपीएम

राज्य के 6 व जिले की 2 कोयला खदानों को भी किया गया बंद

बीते पांच वर्षों में एसईसीएल की 10 कोयला खदानें हुई बंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल की कोयला खदानों के बंद होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 5 वर्षों में

खास बात

- बंद पड़ी भूमिगत खदानों से नहीं हो सका दोबारा कोयला उत्खनन

एसईसीएल के कुल 10 कोयला खदानें बंद की जा चुकी है। इनमें से मध्यप्रदेश के 4 और छत्तीसगढ़ के 6 कोयला खदान शामिल हैं। राज्य के 6 कोयला खदानों में से 2 कोयला खदानें जिले में संचालित हो रही थी, जिन्हें बंद कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषांगिक कंपनियों की खदानें लगातार बंद हो रही है। बीते 5 वर्षों के दौरान कुल 42 ओपनकास्ट एपं अंडरग्राउंड कोयला खदाने बंद की जा चुकी है। सबसे अधिक एसईसीएल की 10 कोयला खदानें बंद हुई हैं। वहीं दूसरे नंबर पर वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की 18 खदानें भी बंद हो चुकी है। एसईसीएल के बंद होने वाले खदानों में राज्य के विश्रामपुर ओपनकास्ट, महामाया भूमिगत, महान ओपनकास्ट, पवन भूमिगत, सुराकछार भूमिगत 3 एवं 4, सुराकछार भूमिगत मुख्य खान एवं मध्यप्रदेश के जमुना आरओ (1 एवं 2) भूमिगत, कपिलधारा भूमिगत, न्यू अमलाई भूमिगत, पिनौरा भूमिगत खदान शामिल है। यहां बताना होगा कि कई वर्षों से बंद कोयला खदानों से दोबारा कोयला उत्खनन की योजना तो बनाई जा रही है, पर अब तक जिले में एसईसीएल की किसी भी बंद खदान से दोबारा कोयला उत्पादन शुरू नहीं किया जा सका है। कोल इंडिया व एसईसीएल प्रबंधन द्वारा बंद पड़े भूमिगत कोयला खदानों से कंटीन्यूअस माइनर मशीन के जरिए कोयला उत्खनन की तैयारी की गई है, पर अब तक बंद पड़े कोयला खदानों में कंटीन्यूअस माइनर मशीन नहीं उतारी जा सकी है। वहीं दूसरी ओर एक एक कर कोयला खदानें बंद की जा रही है।

फाइल फोटो

पैरामेडिकल एवं नर्सिंग पाठ्यक्रम में चयन हेतु आवेदन आमंत्रित

छः महीना / एक वर्षीय / द्विवर्षीय सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कोर्स के लिए आवेदन आमंत्रित

कार्यालय संचालक, केंद्र क्रमांक 86549 मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस MIPS रायपुर, (छ.ग.)

निम्न तालिका अनुसार छ.ग. के विभिन्न जिलों में कक्षा 10 वीं 12वीं के प्राप्तांकों के अनुसार पैरामेडिकल संस्था द्वारा संचालित विभिन्न पैरामेडिकल एवं नर्सिंग सहयोगी पाठ्यक्रम सत्र (2025-26) में प्रवेश, एवं सर्टिफिकेट हेतु आवेदन आमंत्रित है।

(उपलब्ध एवं प्रस्तावित विभिन्न जिलों के प्रशिक्षण केन्द्रों के नाम, पाठयक्रम एवं कुल सीटे)*

केंद्रो की सूचि	मेडिकल लैब टेक्नीशियन	ओटी टेक्नीशियन	नर्सिंग अस्टिटेंट/ नर्सिंग सुपरवाइजर	डिप्लोमा इन डायलिसिस	डिप्लोमा इन योगा टेक्नीशियन	ड्रेसर/ वार्ड ब्वाय
रायपुर	40 सीट	20 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट
धमतरी	30 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	30 सीट
बिलासपुर	40 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट	30 सीट
सरायपाली	30 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	30 सीट
जांजगीर	30 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	20 सीट	30 सीट

आवेदन हेतु 10वीं 12 वीं कक्षा (किसी भी विषय) में न्यूनतम प्रतिशत :- अनु. जनजाति 42%, अनु. जाति हेतु 45%, अन्य पिछड़ा वर्ग 50%, सामान्य वर्ग 55% या अधिक। विकलांग सैनिक / स्व. संग्राम सैनानि वर्ग के उम्मीदवारो हेतु निर्धारित सीटे आरक्षित है।

नोट :- **1.** आवेदक, निम्न दिये गए आवेदन पत्र के प्रारूप को कम्प्युटर द्वारा टाइप कराकर अपना पूर्ण विवरण स्पष्ट से भरे । साथ ही 25 रुपये का डाक टिकट लगा हुआ 10x4 का सफेद लिफाफे मे अपना स्वयं का पता स्पष्ट लिख कर स्पीड पोस्ट द्वारा कार्यालय के निम्न पते पर भेजे। (आवेदन पोस्ट द्वारा नियत तिथि एक ही स्वीकार किया जाएगा) **2.** चयनित उम्मीद्वारों को कॉल लेटर द्वारा काउन्सलिंग हेतु सुचित किया जाएगा। **3.** केवल आवेदक ही काउंसिंग हेतु पात्र होंगे। **4.** 10वीं / 12वीं. ओपन परीक्षा दिए हुए विद्यार्थी भी आवेदन कर सकते है। **5.** किसी भी जिले के विद्यार्थी किसी भी जिले के लिए आवेदन कर सकते है।

आवेदन पत्र डाक द्वारा भेजने की अंतिम तिथि : 30/05/2025 तक
आवेदन पत्र कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि : 10/06/2025 तक

आवेदन हेतु पात्रता

प्रति,
संचालक
शाखा प्रबंधक केंद्र क्रमांक 86549
मॉडर्न इंस्टिट्यूट ऑफ़ पैरामेडिकल साइंस रायपुर, (छ.ग.)
पिनकोड- 492013

महोदय______________________________पाठ्यक्रम में चयन हेतु में अपना आवेदन प्रस्तुत कर रहा रहीं हूं।
आवेदक का नाम______________________________
पिता/पति______________________ जन्म तिथि______________
वर्ग अनुज जाति____________अनु जाति____________ अन्य पि. वर्ग____________
सामान्य____________पत्र व्यवहार का पता______________________________
______________________________ पिन कोड____________
मो. नं.______________________बाट्सअप नं______________________
पालक का मो. न______________________ कक्षा 12वीं उत्तीर्ण वर्ग______________________
में प्राप्त अंक____________ कुल प्रतिशत____________मार्गदर्शन हेतु दूरभाष नं.____________
हस्ताक्षकर______________________ पालक का हस्ताक्षर______________________

कार्यालय का पूरा पता। क्षेत्रीय कार्यालय, मॉडर्न इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल साइंस (MIPS) जलगृह मार्ग, शीतला चौक के पास भाटागांव रायपुर, (छ.ग.)

कर की बात

बिजनेस डेस्क

अगर ज्यादा कट गया है टैक्स तो घबराएं नहीं, पूरा पैसा होगा वापस

एक्सपर्ट बोले, टीडीएस कटने के बाद भी आसानी से वापस पा सकते पैसे ■ गलत कैलकुलेशन या नियमों की जानकारी न होने से कट जाता है पैसा ■ ज्यादा कटे हुए टैक्स का रिफंड क्लेम कर सकते हैं आप ■ फॉर्म 26एएस की मदद से लगा सकते हैं पता

अगर आप भी आईटीआर जमा करवाते हैं और आपका पैसा ज्यादा कट गया है तो घबराएं नहीं, यह सारा पैसा आपको वापस मिल सकता है। बस आपको थोड़ा संयम के साथ कुछ नियमों का पालन करना होगा। टीडीएस यानी टैक्स डिडक्टेड एट सोर्स, एक ऐसा टैक्स है जो आपकी कमाई पर स्रोत पर ही काट लिया जाता है। चाहे आपकी सैलरी हो, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज हो, किराए की आय हो या प्रोफेशनल फीस, इन सब पर टीडीएस कट सकता है। लेकिन कई बार गलत कैलकुलेशन या नियमों की जानकारी न होने की वजह से जरूरत से ज्यादा टीडीएस कट जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हुआ है, तो घबराने की जरूरत नहीं। आप न सिर्फ ये चेक कर सकते हैं कि कितना टीडीएस कटा, बल्कि ज्यादा कटे हुए टैक्स का रिफंड भी क्लेम कर सकते हैं।

टीडीएस क्या होता है : सबसे पहले समझते हैं कि टीडीएस है क्या। मान लीजिए आप किसी कंपनी में काम करते हैं और आपकी सैलरी 50,000 रुपये महीना है। कंपनी आपको पूरी सैलरी देने से पहले उसमें से कुछ टैक्स काट लेती है और उसे सरकार के पास जमा कर देती है। यही टीडीएस है। ये टैक्स आपकी कमाई के हिसाब से और सरकार के टैक्स स्लैब के आधार पर कटता है। सैलरी के अलावा, बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के ब्याज पर, किराए की आय पर, या फ्रीलांस काम की फीस पर भी टीडीएस कट सकता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा होता है कि आपकी कुल आय टैक्सेबल लिमिट से कम होती है, फिर भी टीडीएस कट जाता है। या फिर गलत टैक्स स्लैब के हिसाब से ज्यादा टैक्स काट लिया जाता है। ऐसे में आप ज्यादा कटे हुए टैक्स को रिफंड के तौर पर वापस पा सकते हैं। इसके लिए आपको पहले चेक करना होगा कि कितना टीडीएस कटा और क्या वो सही था।

ज्यादा टीडीएस कटने का पता कैसे लगाएं

टैक्स और इनवेस्टमेंट एक्सपर्ट बताते हैं, अगर आपको लगता है कि आपका टीडीएस जरूरत से ज्यादा कट गया है, तो सबसे पहले आपको अपनी टैक्स डिटेल्स चेक करनी होंगी। इसके लिए फॉर्म 26एएस आपको मदद कर सकता है।"

कैसे चेक करें

सबसे पहले फॉर्म 26एएस डाउनलोड करें। फॉर्म 26एएस एक तरह का टैक्स स्टेटमेंट है, जिसमें आपके पूरे साल के टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। ये इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर मिलता है। इसे चेक करने के लिए इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट **www.incometax.gov.in** पर जाएं। अगर आपने पहले रजिस्टर नहीं किया है, तो 'रजिस्टर यूअरसेल्फ ' पर क्लिक करके अपना पैन नंबर, नाम, जन्मतिथि और दूसरी डिटेल्स डालकर रजिस्टर करें। रजिस्ट्रेशन के बाद, अपने पैन नंबर (जो यूजर आईडी होता है) और पासवर्ड से लॉगिन करें। लॉगिन करने के बाद 'व्यू टैक्स क्रेडिट स्टेटमेंट (फॉर्म 26एएस)' का ऑप्शन चुनें। आपको एक नई वेबसाइट टीआरएसीईएस पर ले जाया जाएगा। यहां से आप फॉर्म 26एएस डाउनलोड कर सकते हैं। इस फॉर्म में आपको सारी डिटेल्स मिलेंगी, जैसे कितना टीडीएस कटा है, किसने काटा (जैसे आपका एम्प्लॉयर या बैंक), और वो टैक्स सरकार के पास जमा हुआ या नहीं। फॉर्म 16 या टीडीएस सर्टिफिकेट से मिलान करें

एम्प्लॉयर आपको फॉर्म 16 देता है

अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो आपका एम्प्लॉयर आपको फॉर्म 16 देता है। ये एक ऐसा डॉक्यूमेंट है, जिसमें आपकी सैलरी और उस पर कटे टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। अगर आपने फ्रीलांसिंग की है या किराए की आय है, तो आपको टीडीएस सर्टिफिकेट मिलता है। इन डॉक्यूमेंट्स में दी गई टीडीएस की रकम को फॉर्म 26एएस से मिलाएं। अगर कोई गड़बड़ी दिखे, जैसे फॉर्म 26एएस में ज्यादा टीडीएस दिख रहा हो, तो ये ज्यादा कटने का सबूत है।

टैक्सेबल इनकम का हिसाब लगाएं

अब आपको अपनी कुल आय और टैक्स स्लैब का हिसाब लगाना होगा। मान लीजिए आपकी सालाना आय 7 लाख रुपये से कम है, तो न्यू टैक्स रिजीम में आपको कोई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। लेकिन अगर आपका टीडीएस कट गया है, तो वो पूरा रकम रिफंड के लिए क्लेम की जा सकती है। इसके लिए आप अपने चार्टर्ड अकाउंटेंट की मदद ले सकते हैं या ऑनलाइन टैक्स कैलकुलेटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां बताते चलें कि इस साल के बजट में न्यू टैक्स रिजीम में सालाना आय की लिमिट 12 लाख रुपये सालाना कर दी गई है।

टीडीएस का रिफंड कैसे क्लेम करें?

जैन कहते हैं, "अगर आपको पक्का पता चल गया है कि आपका टीडीएस ज्यादा कट गया है, तो अब बात आती है रिफंड क्लेम करने की। इसके लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना होगा।" आइए, इसे स्टेप-बाय-स्टेप समझते हैं।

समय पर आईटीआर फाइल करें

जितनी जल्दी आप आईटीआर फाइल करेंगे, उतनी जल्दी आपका रिफंड प्रोसेस शुरू होगा। आमतौर पर आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख 31 जुलाई होती है, लेकिन अगर आप ये डेडलाइन मिस कर देते हैं, तो भी आप लेट फीस के साथ रिटर्न फाइल कर सकते हैं। आईटीआर फाइल करते समय सही आईटीआर फॉर्म चुनें। अगर आप सैलरीड हैं, तो आईटीआर-1 या आईटीआर-2 काम करेगा। अगर बिजनेस या प्रोफेशनल इनकम है, तो आईटीआर-3 या आईटीआर-4 चुनें। फॉर्म 26एएस और फॉर्म 16 की डिटेल्स के आधार पर अपनी आय और टीडीएस की जानकारी सही-सही भरें। अगर आपने टैक्स बचाने के लिए कोई इन्वेस्टमेंट किया है (जैसे पीपीएफ, ईएलएसएस, या इंश्योरेंस), तो उसकी डिटेल्स भी डालें।

रिफंड की डिटेल्स सही भरें

आईटीआर फॉर्म में एक सेक्शन होता है, जहां आपको अपने बैंक अकाउंट की डिटेल्स देनी होती हैं, जैसे अकाउंट नंबर और आईएफएससी कोड। ये इसलिए जरूरी है क्योंकि आपका रिफंड सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा। सुनिश्चित करें कि ये डिटेल्स बिल्कुल सही हों, वरना रिफंड में देरी हो सकती है।

आईटीआर को वेरीफाई करें

आईटीआर फाइल करने के बाद उसे वेरीफाई करना जरूरी है। आप इसे ऑनलाइन आधार ओटीपी के जरिए, डिजिटल सिग्नेचर से, या आईटीआर-V फॉर्म को प्रिंट करके इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को भेजकर वेरीफाई कर सकते हैं। वेरिफिकेशन के बिना आपका रिफंड प्रोसेस शुरू नहीं होगा।

रिफंड का स्टेटस कैसे चेक करें?

आईटीआर फाइल करने के बाद आप अपने रिफंड का स्टेटस चेक कर सकते हैं। इसके लिए इनकम टैक्स की वेबसाइट पर लॉगिन करें। 'व्यू रिटर्न फॉर्म' ऑप्शन पर क्लिक करें। अपने फाइनेंशियल ईयर और आईटीआर फॉर्म का स्टेटस चुनें।

यह मिलेगी जानकारी

यहां आपको पता चलेगा कि आपका रिफंड प्रोसेस हो रहा है, अप्रूव हो गया है, या किसी वजह से रिजेक्ट हुआ है। अगर रिफंड में देरी हो रही है, तो आप इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या ऑनलाइन फाइल कर सकते हैं।

रिफंड में देरी होने पर क्या करें?

कई बार रिफंड प्रोसेस में 6 महीने तक का समय लग सकता है। अगर आपको लगता है कि देरी हो रही है, तो सबसे पहले चेक करें कि आपका आईटीआर सही तरीके से फाइल और वेरीफाई हुआ है या नहीं। अगर कोई गलती हुई है, तो आप रिवाइज्ड आईटीआर फाइल कर सकते हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से संपर्क करें और अपनी पैन डिटेल्स देकर रिफंड स्टेटस के बारे में पूछें। अगर डिपार्टमेंट की तरफ से देरी होती है, तो आपको 6% सालाना की दर से ब्याज भी मिल सकता है।"

टीडीएस कटने से कैसे बचें?

बलवंत जैन कहते हैं, "अगर आपकी आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो आप टीडीएस कटने से बच सकते हैं। इसके लिए फॉर्म 15जी (अगर आप 60 साल से कम उम्र के हैं) या फॉर्म 15एच (60 साल से ज्यादा उम्र के लिए) अपने बैंक या एम्प्लॉयर को जमा करें। ये फॉर्म बताते हैं कि आपकी आय टैक्सेबल नहीं है, इसलिए टीडीएस नहीं काटा जाए। अपने एम्प्लॉयर को अपनी इन्वेस्टमेंट डिटेल्स (जैसे पीपीएफ, इंश्योरेंस) समय पर दें, ताकि वो सही टैक्स कैलकुलेट करें। वे आगे कहते हैं, इन स्टेप्स को फॉलो करके आप न सिर्फ ज्यादा टीडीएस कटने की समस्या को पकड़ सकते हैं, बल्कि रिफंड भी आसानी से क्लेम कर सकते हैं। बस जरूरी है कि आप सही जानकारी के साथ समय पर कदम उठाएं।

टैक्स के लिए कौन सी रिजीम बेहतर

1. पुरानी टैक्स रिजीम

पुरानी टैक्स रिजीम में आप विभिन्न कटौतियों और छूटों का लाभ उठा सकते हैं, जैसे कि धारा 80सी के तहत कटौती, धारा 80डी के तहत स्वास्थ्य बीमा कटौती, आदि।

2. नई टैक्स रिजीम

नई टैक्स रिजीम में टैक्स दरें कम हैं, लेकिन अधिकांश कटौतियों और छूटों को हटा दिया गया है।

इन कारकों पर निर्भर

1. आपकी आय

यदि आपकी आय अधिक है और आप विभिन्न कटौतियों और छूटों का लाभ उठा सकते हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

2. आपके निवेश

यदि आप विभिन्न निवेश विकल्पों में निवेश करते हैं जो टैक्स कटौती के लिए योग्य हैं, तो पुरानी टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

3. आपकी आवश्यकताएं

यदि आप एक सरल और कम टैक्स दर वाली रिजीम चाहते हैं, तो नई टैक्स रिजीम आपके लिए बेहतर हो सकती है।

विशेषज्ञ से परामर्श लें

यह अनुशंसा की जाती है कि आप अपनी व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति और आवश्यकताओं का मूल्यांकन करें और एक टैक्स विशेषज्ञ से परामर्श लें ताकि आप अपने लिए सबसे अच्छी टैक्स रिजीम का चयन कर सकें।

इन इक्विटी फंड्स ने एक साल में 29 फीसदी तक रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

पिछले एक साल के दौरान शेयर बाजार में काफी उथल-पुथल का माहौल देखने को मिला। इस माहौल की वजह से इक्विटी में पैसे लगाने वाले निवेशकों में काफी बेचैनी भी रही है। फिर चाहे वे इक्विटी में सीधे निवेश करने वाले इनवेस्टर हों या इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाने वाले छोटे निवेशक, लेकिन इस उथल-पुथल के बीच भी इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की हर कैटेगरी की कुछ स्कीम्स ने पिछले 1 साल में आकर्षक रिटर्न दिए हैं। इन कैटेगरी टॉपर स्कीम्स के डायरेक्ट प्लान्स का पिछले एक साल का रिटर्न 12% से लेकर 29% तक रहा है। इससे पता चलता है कि इन म्यूचुअल फंड स्कीम्स के मैनेजर्स की निवेश रणनीति बाजार की हलचलों के बीच भी निवेशकों को मुनाफा दिलाने में सफल रही है। निवेशक भी इन फंडों में निवेश कर खुद को खुशनसीब मान रहे हैं। चूंकि जब बाजार में गिरावट का दौर था तब ये फंड अच्छा मुनाफा दे रहे थे।

ज्यादा मुनाफा देने वाला टॉप इक्विटी फंड/1 साल का रिटर्न

- मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड : 23.59% (रेगुलर), 25.29% (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड : 14.79% (रेगुलर), 16.13% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड : 14.87% (रेगुलर), 15.63% (डायरेक्ट)
- एसबीआई मल्टीकैप फंड : 13.43% (रेगुलर), 14.36 % (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड : 16.43% (रेगुलर), 17.86% (डायरेक्ट)
- बंधन स्मॉल कैप फंड : 12.99% (रेगुलर), 14.52% (डायरेक्ट)
- यूटीआई वैल्यू फंड : 12.78% (रेगुलर), 13.56% (डायरेक्ट)
- व्हाइटओक कैपिटल ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड : 13.13% (रेगुलर), 15 % (डायरेक्ट)
- इनवेस्को इंडिया कॉन्ट्रा फंड : 11.86% (रेगुलर), 13.11% (डायरेक्ट)
- यूटीआई डिविडेंड यील्ड फंड : 11.80% (रेगुलर), 12.48% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड : 15.25% (रेगुलर), 16.52% (डायरेक्ट)
- एचडीएफसीफार्मा एंड हेल्थकेयर फंड (कैटेगरी : थीमैटिक/सेक्टोरल फंड) : 28.13% (रेगुलर), 29.69% (डायरेक्ट)

एक साल में बेस्ट रिटर्न देने वाले टॉप इक्विटी फंड : एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएफएफआई) के पोर्टल पर तमाम इक्विटी फंड्स को 12 सब कैटेगरी में बांटकर दिखाया गया है। हमने यहां इनमें से हर कैटेगरी में पिछले 1 साल के दौरान सबसे ज्यादा मुनाफा देने वाली स्कीम के रेगुलर और डायरेक्ट प्लान के रिटर्न के आंकड़े दिए हैं। इन योजनाओं में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एसबीआई म्यूचुअल फंड, मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड और इनवेस्को इंडिया से लेकर यूटीआई म्यूचुअल फंड तक कई दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं। जिन्होंने निवेशकों को खूब लुभाया और अच्छा रिटर्न देकर मालामाल कर दिया। जिसने भी इन फंडों में निवेश किया, उसने ही अच्छा मुनाफा कमाया और अपनी रकम को कई गुना बढ़ा लिया।

लार्ज कैप और सेक्टोरल फंड रहे आगे

अपनी-अपनी कैटेगरी में टॉप करने वाले फंड्स के एक साल के रिटर्न को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि इस लिस्ट में एचडीएफसी फार्मा एंड हेल्थकेयर फंड के डायरेक्ट प्लान ने सबसे ज्यादा 29.69% रिटर्न दिया है. जबकि 25.29% रिटर्न के साथ मोतीलाल ओसवाल लार्ज कैप फंड का डायरेक्ट प्लान दूसरे नंबर पर है. दिलचस्प बात यह है कि कैटेगरी में टॉप करने वाले इस लार्ज कैप फंड का 1 साल का मुनाफा स्मॉल कैप फंड कैटेगरी की टॉपर स्कीम, बंधन स्मॉल कैप फंड से काफी अधिक है, जिसके डायरेक्ट प्लान का 1 साल का रिटर्न 14.52% है. मिड कैप फंड कैटेगरी की टॉपर स्कीम, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड के डायरेक्ट प्लान का रिटर्न भी 17.86% ही है. यानी उथल-पुथल भरे बाजार में टॉप लार्ज कैप फंड ने इन दोनों से बेहतर रिटर्न दिया है.

पिछले रिटर्न के जारी रहने की गारंटी नहीं

हमने एएमएफआई के पोर्टल पर मौजूद रिटर्न के जो आंकड़े लिए हैं, वे 25 अप्रैल 2025 अपडेटेड हैं. इन पर पिछले कुछ दिनों के दौरान शेयर बाजार में हुई रिकवरी का असर भी नजर आ रहा है. आपको बता दें कि पिछले 1 महीने के दौरान निफ्टी 50 (निफ्टी 50) इंडेक्स करीब 5% बढ़ा है, जबकि मौजूदा कैलेंडर इयर (2025) के दौरान अब तक (वाईटीडी) इस इंडेक्स में करीब 2.5% की बढ़त दिखी है. वहीं पिछले 1 साल में यह करीब 7.5% ऊपर आया है. हमने ऊपर जो जानकारी दी है, उनका मकसद सिर्फ कुछ दिलचस्प आंकड़े पेश करना है. यहां यह याद रखना जरूरी है कि इक्विटी म्यूचुअल फंड के पिछले रिटर्न के भविष्य में जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती और उनमें निवेश के साथ मार्केट रिस्क हमेशा जुड़ा रहता है. यही वजह है कि अधिकांश इक्विटी म्यूचुअल फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत ज्यादा जोखिम वी की रेटिंग दी जाती है।

क्या है इक्विटी फंड्स

इक्विटी फंड्स एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी शेयरों में निवेश करता है। इक्विटी फंड्स का उद्देश्य लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करना होता है और यह निवेशकों को शेयर बाजार में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है। इसकी विशेषताएं हैं। इक्विटी फंड्स इक्विटी शेयरों में निवेश करते हैं जो विभिन्न कंपनियों के शेयर होते हैं। इक्विटी फंड्स लंबी अवधि के लिए निवेश करने के लिए उपयुक्त होते हैं। इक्विटी फंड्स में जोखिम होता है क्योंकि शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

कुछ मुख्य फायदे

1. **पूंजी वृद्धि:** इक्विटी फंड्स लंबी अवधि में पूंजी वृद्धि करने में मदद कर सकते हैं।
2. **विविधीकरण:** इक्विटी फंड्स विभिन्न शेयरों में निवेश करते हैं जिससे जोखिम कम होता है।
3. **पेशेवर प्रबंधन:** इक्विटी फंड्स का प्रबंधन पेशेवर फंड प्रबंधकों द्वारा किया जाता है।

इक्विटी फंड्स के प्रकार

1. लार्ज-कैप फंड्स: लार्ज-कैप फंड्स बड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
2. मिड-कैप फंड्स: मिड-कैप फंड्स मध्यम आकार की कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।
3. स्मॉल-कैप फंड्स: स्मॉल-कैप फंड्स छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेश करते हैं।

(डिस्क्लेमर इक्विटी फंड्स में निवेश करने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने निवेश लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता को समझें और अपने निवेश विकल्पों का चयन करें।)

श्री त्रिपुर यात्रा सेवा समिति रायपुर की चारधाम यात्रा 10 तक

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था श्री त्रिपुर यात्रा सेवा समिति रायपुर द्वारा आयोजित चारधाम यात्रा की प्रथम पाली का शुभारंभ 27 अप्रैल को किया गया। जिसका समापन 10 मई को होगा। समिति इस पवित्र यात्रा को कुल 12 पालियों में संचालित कर रही है, जिसमें श्रद्धालुओं को उच्च स्तरीय सुविधाओं के साथ दिव्य धामों के दर्शन का अवसर मिल रहा है। प्रथम पाली में समिति द्वारा यात्रियों के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं जिनमें रायपुर से हरिद्वार तक आरक्षित ट्रेन टिकट

ट्रेन में नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन, मंदिर दर्शन के दौरान सुबह का नाश्ता और रात्रि भोजन की उत्तम व्यवस्था, प्रत्येक धाम में दर्शन करने 2-2 27 सीटर बस, टेम्पो ट्रैवलर भेजी गई है। अनुभवी रसोई टीम द्वारा ताज़ा और शुद्ध भोजन, प्रत्येक पड़ाव पर होटल में रात्रि विश्राम की सुविधा, समस्त यात्रा में श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन करने अनुभवी यात्रा मैनेजर की सेवा मिल रही है। समिति के सदस्यों ने बताया कि भक्तों को यमुनोत्री धाम, गंगोत्री धामः माँ गंगा के उद्गम स्थल पर भक्ति व आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। केदारनाथ धामः हिमालय की गोद में बसे बाबा केदारनाथ के दर्शन ने यात्रियों को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। बद्रीनाथ धामः भगवान विष्णु के दिव्य मंदिर में पूजा-अर्चना कर श्रद्धालुओं ने अपने जीवन को धन्य किया। वापसी मार्ग में ऋषिकेश और हरिद्वार में गंगस्नान और सत्संग के साथ यात्रा का समापन हुआ। यात्रा को श्रेष्ठतम और यादगार बताया। सभी ने भोजन की गुणवत्ता, यात्रा की समयबद्धता, होटल सुविधाएँ और मार्गदर्शक मैनेजर की तत्परता की विशेष सराहना की। रात्रिकालीन सांस्कृतिक आयोजन, भजन, और गरबा जैसे कार्यक्रमों ने यात्रा को और भी भक्ति-मय बना दिया। पूरी यात्रा के दौरान ली गई फोटो, वीडियो, ब्लॉग और यात्रियों की प्रतिक्रियाएँ समिति द्वारा फेसबुक व यूट्यूब जैसे प्लेटफार्मों पर साझा की जा रही हैं, जिससे अन्य श्रद्धालु भी इस अनुभव को देख सकें। समिति कहा कि जो श्रद्धालु आगामी पालियों में शामिल होना चाहते हैं, वे समय रहते संपर्क करें। अगली पाली शीघ्र ही प्रस्थान के लिए तैयार हैं। अधिक जानकारी के लिए श्री त्रिपुर यात्रा सेवा समिति, रायपुर 7247411411 पर संपर्क कर सकते हैं।

समय से पहले तोड़ना चाहते हैं एफडी, तो जान लें कैसे बचेंगे जुर्माने से

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

■ अगर आप बीच में एफडी तोड़ते हैं तो सही रणनीति अपनाएं
■ नुकसान को कम कर सकेंगे और जुर्माने को भी घटा सकेंगे

फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) लंबे समय से अपनी स्थिरता और गारंटीड रिटर्न के लिए लोगों की पसंद रहे हैं। लेकिन, जीवन की अनिश्चितताओं के कारण कई बार निवेशकों को अपनी एफडी समय से पहले तोड़नी पड़ती है, जिससे जुर्माना लगता है और रिटर्न कम हो जाता है। निवेशकों को इस नुकसान से बचाने के लिए, जानकारों ने कई सुझाव दिए हैं। उन्होंने बताया कि कैसे सही रणनीति इस नुकसान को कम कर सकती है और आपके जुर्माने को घटा सकती है। पब्लिक सेक्टर बैंक समय से पहले एफडी तोड़ने पर सबसे कम जुर्माना लगाते हैं। पब्लिक सेक्टर बैंक आमतौर पर प्राइवेट सेक्टर बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक और कोऑपरेटिव बैंक की तुलना में कम जुर्माना लगाते हैं। पब्लिक सेक्टर बैंक सभी वर्गों, खासकर कम आय वाले लोगों की सेवा करने के अपने व्यापक उद्देश्य के कारण अधिक उदार होते हैं। इस वजह से उनका जुर्माना कम होता है। पब्लिक सेक्टर बैंकों में जुर्माना आमतौर पर 0.50% से 1% के बीच होता है। वहीं, प्राइवेट सेक्टर और स्मॉल फाइनेंस बैंक 1% से 1.50% तक जुर्माना

ब्याज की जुर्माने में क्या भूमिका

कई निवेशक सोचते हैं कि ब्याज की गणना का समय मासिक, त्रैमासिक, छमाही या सालाना एफडी समय से पहले तोड़ने पर होने वाले नुकसान को प्रभावित करता है। लेकिन शेट्टी ने इस बारे में स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, एफडी में ब्याज की गणना का समय इस बात पर असर डालता है कि जमा अवधि के दौरान ब्याज कैसे बढ़ता है। लेकिन जब एफडी को समय से पहले तोड़ा जाता है, तो जुर्माना उस कम ब्याज दर के आधार पर लगता है, जो एफडी के वास्तविक अवधि के लिए लागू होती है। यह जुर्माने की गणना पर सीधे असर नहीं डालता।" इसलिए, भले ही ब्याज की गणना का समय पूरी अवधि तक एफडी चलने पर कुल रिटर्न को प्रभावित करता हो, लेकिन समय से पहले तोड़ने पर जुर्माने को कम करने में इसकी भूमिका बहुत कम होती है। शेट्टी सलाह देते हैं कि कम जुर्माना वाले बैंक चुनें और अगर समय से पहले तोड़ने की संभावना हो, तो कम अवधि की एफडी चुनें।

स्मार्ट तरीके से बनाएं अपनी रणनीति एफडी लैडरिंग

कुल निवेश को कई एफडी में बांटकर, अलग-अलग समय पर परिपक्व होने वाली एफडी बनाएँ। इससे निवेशकों को समय-समय पर अपने पैसे तक पहुँच मिलती है। ऐसा करने से निवेशक अपनी पूरी जमा राशि को समय से पहले तोड़े बिना, नियमित अंतराल पर अपने फंड का कुछ हिस्सा निकाल सकते हैं।"

स्वीप-इन सुविधा

कई बैंक स्वीप-इन खाते की सुविधा देते हैं, जिसमें बचत खाते में अतिरिक्त राशि अपने आप एफडी में चली जाती है। ये जमा राशि बिना किसी जुर्माने के आसानी से निकाली जा सकती है और बचत खाते की सुविधा के साथ-साथ एफडी के अधिक रिटर्न भी देती है।

एफडी पर लोन

एफडी तोड़ने के बजाय, निवेशक इसपर लोन ले सकते हैं। "बैंक आमतौर पर एफडी की 90% तक की राशि पर लोन देते हैं, जिसका ब्याज एफडी की ब्याज दर से थोड़ा अधिक होता है। यह विकल्प जुर्माने से बचने में मदद करता है और निवेश को भी बनाए रखता है।"

क्या है एफडी

एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) एक प्रकार का बचत विकल्प है जो बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है। इसमें आप एक निश्चित राशि जमा करते हैं जो एक निश्चित अवधि के लिए जमा रहती है और आपको एक निश्चित ब्याज दर पर ब्याज मिलता है। यह एक अच्छा निवेश विकल्प हो सकता है यदि आप सुरक्षित और निश्चित रिटर्न चाहते हैं और आपको अपने पैसे को एक निश्चित अवधि के लिए जमा रखने में कोई समस्या नहीं है।

एफडी की कुछ विशेषताएं

निश्चित अवधि: एफडी की अवधि निश्चित होती है, जो कुछ महीनों से लेकर कई वर्षों तक हो सकती है।

निश्चित ब्याज दर: एफडी पर ब्याज दर निश्चित होती है, जो आमतौर पर अवधि और जमा राशि पर निर्भर करती है।

गारंटीड रिटर्न: एफडी पर रिटर्न गारंटीड होता है, जिसका अर्थ है कि आपको निश्चित ब्याज दर पर ब्याज मिलेगा।

एफडी के कुछ मुख्य फायदे

सुरक्षित निवेश: एफडी एक सुरक्षित निवेश विकल्प है, क्योंकि इसमें आपका पैसा बैंक या वित्तीय संस्थान के पास जमा रहता है।
निश्चित रिटर्न: एफडी पर रिटर्न निश्चित होता है, जिससे आपको पता होता है कि आपको कितना ब्याज मिलेगा।
लिक्विडिटी: एफडी में लिक्विडिटी होती है, क्योंकि आप अपनी जमा राशि को अवधि से पहले भी निकाल सकते हैं, हालांकि इसमें कुछ जुर्माना लग सकता है।

एफडी के कुछ नुकसान

कम रिटर्न: एफडी पर रिटर्न अन्य निवेश विकल्पों की तुलना में कम हो सकता है।
जुर्माना: यदि आप अपनी जमा राशि को अवधि से पहले निकालते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।

पीएफ ट्रांसफर और विड्रॉल करना अब बेहद आसान, ईपीएफओ ने कर दिया सिस्टम अपग्रेड

बिजनेस डेस्क

कर्मचारियों के लिए एक बेहद सूकून भरी बात है। दरअसल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पेंशन निकासी से जुड़ी प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए कई नए बदलावों की घोषणा की। इन बदलावों का उद्देश्य क्लेम की प्रक्रिया को तेज करना और कागज़ी काम को कम करना है। कुछ डिजिटल और पेपरलेस उपायों से न केवल समय बचेगा, बल्कि क्लेम रिजेक्शन की संभावना भी बेहद कम होगी। ईपीएफओ सदस्य थोड़ी सावधानी के साथ आसानी से अपने क्लेम को हासिल कर सकेंगे। दावों के निपटानों में भी तेजी आएगी।

जानिए क्या-क्या बदला गया है

■ घर की मरम्मत करवाने के लिए एडवांस : अब कर्मचारी खुद ही डिक्लेरेशन देकर पैराग्राफ 68बी(7) के तहत घर में कुछ काम करवाने के लिए या मरम्मत करने के लिए एडवांस ले सकेंगे।
■ बैंक अकाउंट लिंक करना हुआ आसान : अब बैंक खाते को यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (यूएएन) से जोड़ने के लिए न तो नियोक्ता की मंजूरी चाहिए और न ही बैंक दस्तावेज़ अपलोड करने की जरूरत है।

खबर संक्षेप

तीस साल से नहीं बना शौचालय स्वच्छता पर भी उठे सवाल

कोरबा। ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति ने दीपका स्थित बुधवारी बाजार में सुलभ शौचालय के निर्माण की मांग उठाई है। समिति के कार्यकारी सदस्य एवं मीडिया प्रभारी ललित महिलांगे ने मुख्य महाप्रबंधक, एसईसीएल गेवरा को संबोधित एक ज्ञापन के माध्यम से इस मांग को औपचारिक रूप से उठाया है। उन्होंने बताया कि एसईसीएल गेवरा के कर्मचारी आवासीय कॉलोनी में स्थित बुधवारी बाजार (साप्ताहिक बाजार) में प्रत्येक सप्ताह हजारों लोग अपनी दैनिक आवश्यकताओं का सामान खरीदने के लिए आते हैं। इस बाजार में सैकड़ों व्यापारी अपना व्यवसाय चलाते हैं। इस बाजार के संचालन को लगभग 30 साल हो चुके हैं, लेकिन अब तक यहाँ कोई भी सार्वजनिक शौचालय नहीं बनाया गया है। बाजार में स्वच्छता की स्थिति दयनीय है, जिससे आने वाले आम नागरिकों, महिलाओं और व्यापारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका में शौचालय निर्माण के लिए आवेदन किया गया था, लेकिन एसईसीएल से अनापत्ति प्रमाण-पत्र नहीं मिलने के कारण निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा है। समिति की ओर से यह मांग की गई है कि बुधवारी बाजार में सुलभ सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाए ताकि आम आदमी को स्वच्छता की आधारभूत सुविधा उपलब्ध हो सके।

पुलिस लाइन में विवेचकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कोरबा। जनसंपर्क में सौम्य मर्यादित और संवेदनशील व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस लाइन में एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विवेचकों को व्यवहारिक दक्षता, संवाद कौशल और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने की, जबकि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीतीश ठाकुर सहित जिले के समस्त राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे। 55 विवेचकइस प्रशिक्षण में सम्मिलित हुए। प्रशिक्षण सत्र में पुलिस कर्मियों को महिला एवं बाल अपराधों की विवेचना, संवेदनशील दृष्टिकोण, सकारात्मक संवाद, एवं जनता के साथ व्यवहार में सौम्यता बनाए रखने पर विशेष रूप से मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान उपस्थित विवेचकों ने अपनी वास्तविक कार्य स्थितियों, जमीनी स्तर की चुनौतियों, तथा व्यवहारिक समस्याओं को पुलिस अधीक्षक के समक्ष साझा किया। श्री तिवारी ने सभी मुद्दों पर विस्तृत समाधान एवं मार्गदर्शन प्रदान कर उपस्थित अधिकारियों को प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर संयुक्त ट्रेड यूनियन ने बालको प्रबंधन को दिया नोटिस

कोरबा। एटक कार्यालय बालकोनगर में 20 मई की राष्ट्रव्यापी हड़ताल को लेकर नाम्स के अध्यक्ष गिरीश शर्मा की अध्यक्षता में बालकों में कार्यरत समस्त ट्रेड यूनियनों इंटक, एटक,सीटू, नाम्स, एचएमएस, वाम्स की संयुक्त बैठक शनिवार को संपन्न हुई। जिसमें सर्वप्रथम प्रबंधन एवं प्रशासन को हड़ताल नोटिस जारी किया गया, जिसमें समस्त ट्रेड यूनियनों ने हस्ताक्षर किए और शनिवार को संयुक्त रूप से जाकर बालको प्रबंधन को हड़ताल नोटिस दिये जाने का निर्णय लिया गया। 20 मई को राष्ट्रव्यापी आंदोलन जिसमें समस्त केंद्रीय ट्रेड यूनियन, स्वतंत्र फेडरेशन एवं स्वतंत्र यूनियन सम्मिलित है, को सफल बनाने के लिए आगामी बैठक 8 मई को पुनः करने का निर्णय लिया गया, जिसमें चरणबद्ध आंदोलन की रूपरेखा बनाई जाएगी। बैठक में एटक से कामरेड हरिनाथ सिंह, कामरेड एमए रजक, सुनील सिंह, एसके सिंह तथा सीटू से कॉमरेड सोमनाथ बनर्जी, रामाधार चंद्र, जीडी महंत एवं अमित गुप्ता तथा नाम्स यूनियन से गिरीश शर्मा, मनोज भारीया, इंटक से एसएन चंद्रा, यशवंत लदेर, एचएमएस से लखनलाल सहीस, संतोष प्रजापति, धर्मेंद्र देवांगन, राकेश कुमार देवांगन वाम्स यूनियन से अमृतलाल निषाद राजीव शर्मा संतोष साहू सम्मिलित हुए। सभी ने एक साथ मिलकर पूरी तन्मयता से इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया।

निधन

डॉ अर्जुन दास खत्री

कोरबा। परमेश्वरी नारायण लोक शिक्षण संस्थान व बाल विहार हायर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक एवं शासकीय महाविद्यालय प्रोफेसर डॉ अर्जुन दास खत्री का निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ्य चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया। इस दौरान परिवार परिजन तथा गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

तितलियों की संख्या में और इजाफा होने की उम्मीद

बायो डायवर्सिटी पार्क में तितलियों का किया जा रहा संरक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

औद्योगिक नगरी अपने आंचल में प्रकृति के अद्भुत खजाने को भी समेटे हुए है। पूर्वी और पश्चिमी घाटों के बीच बसे मैकल रेंज की पहाड़ियों से घिरा यह क्षेत्र मध्य भारत की समृद्ध जैव विविधता का प्रतीक है। यहां न केवल वे प्रजातियां पाई जाती हैं जो मध्य भारत में आम हैं, बल्कि कुछ ऐसी दुर्लभ प्रजातियां भी मिलती हैं जो पूर्वी और पश्चिमी घाटों में ही पाई जाती हैं।

पुटका पहाड़ के किनारे केसला में बन रहा बायो डायवर्सिटी पार्क इस विशेषता को और भी उजागर करता है। यहां हिमालय की तराई में पाई जाने वाली तितलियां भी मिली हैं, जिससे पता चलता है कि यह क्षेत्र विभिन्न पारिस्थितिक तंत्रों का मिलन बिंदु है। वन मंडल कोरबा द्वारा केसला में बनाया जा रहा बायो डायवर्सिटी पार्क तितलियों के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यहां तितलियों की 40 से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें बार्न, बैरनेट, नाविक, तावी कोस्टर, ग्रे काउंट, पैंसी, कमांडर लेपर्ड, और ग्रास यलो जैसी खूबसूरत प्रजातियां शामिल हैं। विभाग का मानना है कि सुरक्षित वातावरण मिलने पर यहां तितलियों की संख्या में और भी वृद्धि होगी। जिले के जंगल में जैव विविधता की कोई कमी नहीं है। चैतुरगढ़, महादेव पहाड़ और कोसगाई पहाड़ जैसे क्षेत्रों में जंगली जानवर स्वतंत्र रूप से घूमते हैं। यहां किंग कोबरा, ऊदबिलाव, विभिन्न प्रकार की छिपकलियां, हनी बेजर, पेंगोलिन जैसे दुर्लभ जीव पाए जाते हैं। इन वन्यजीवों को रहने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने वाली वनस्पतियां भी यहां प्रचुर मात्रा में मौजूद है। इन पहाड़ियों में तरी फर्न, साइथिया, सर्पगंधा, सफेद मूसली, कलिहारी, सलाई कुल्लू, गुड़मार, ईश्वर मूल, बलराज और तेजराज जैसे दुर्लभ औषधीय पौधे भी पाए जाते हैं, जो इस क्षेत्र को औषधीय रूप से भी महत्वपूर्ण बनाते हैं।

बायो डायवर्सिटी पार्क।

बालको ने मजदूर दिवस पर सुरक्षित और समावेशी कार्यस्थल के संकल्प को दोहराया

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बालको ने मजदूर दिवस के अवसर पर सुरक्षित, डिजिटल और समावेशी कार्यस्थल निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रचालन क्षेत्र में 11 हजार से अधिक कर्मचारियों और व्यावसायिक भागीदारों के साथ कंपनी एक ऐसी कार्य संस्कृति को बढ़ावा दे रही है, जहाँ सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। डिजिटलीकरण से कार्य प्रक्रियाएं अधिक कुशल बनी हैं और इससे कर्मचारियों के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

खास बात
- कंपनी ने डिजिटलाइजेशन से कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया

बालको में सुरक्षा साझी जिम्मेदारी है, सभी कर्मचारी एवं आगंतुक सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं। पूरे प्लांट में अग्नि एवं सड़क सुरक्षा जैसे विषय पर होने वाली मासिक चर्चाएं सुरक्षा संस्कृति को और मजबूती प्रदान करती हैं। इन कार्यों को एआई-संचालित निगरानी प्रणालियों तथा डिजिटल सुरक्षा डिस्प्ले के सहयोग से जोखिमों की पहचान तथा सुरक्षा नियमों का पालन सुनिश्चित कर कंपनी के शून्य-हानि दर्शन की प्रतिबद्धता को मजबूत किया है। कंपनी ने डिजिटलाजेशन से कर्मचारियों की सुरक्षा को सुनिश्चित किया है जिससे प्रचालन का कार्य सुरक्षित व दक्षता के साथ हो रहा है। पॉटलाइन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआर/वीआर प्रशिक्षण ने कर्मचारियों को सुरक्षित एवं नियंत्रित वातावरण में जटिल कार्यों के लिए तैयार होने में सक्षम बनाया है। मैटेरियल मूवमेंट और कास्ट हाउस के कार्यों का संचालन रियल-टाइम डैशबोर्ड और स्वचालित ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से अधिक पारदर्शिता और दक्षता के साथ किया जाता है। इन्वेंट्री प्रोसेसिंग से लेकर इंटरलॉक प्रोटेक्शन तक डिजिटल टूल टीम को तेजी से निर्णय लेने, जोखिमों की पहचान करने और कार्यस्थल के तनाव को कम करने में सहायक हैं। बालको में स्वास्थ्य और कल्याण कार्यस्थल से शुरू होता है, जहाँ नियमित जांच और स्वास्थ्य जांच के माध्यम से निवारक देखभाल दैनिक कार्यों में अंतर्निहित है। कर्मचारियों और उनके परिवारों के पास बालको अस्पताल के 100 से अधिक बेड वाले मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की सेवाएं सुलभ हैं, जहाँ उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा उन्नत चिकित्सा सुविधाएं प्राप्त होती हैं। बालको शारीरिक देखभाल के साथ ही मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान देता है। कर्मचारियों को मेंटल वैलनेस एप्लिकेशन भी मुहैया कराई गई है जो गोपनीय रूप से परामर्श और आवश्यक संसाधन प्रदान करती है। जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए बालको विभिन्न मैराथन, टूर्नामेंट और फिटनेस पहल का आयोजन भी करता है, जो शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सामुदायिक एकता को भी मजबूत करते हैं।

फाइल फोटो

एक महीने के लिए खुल रहा भिलाई रेत घाट, लोगों को मिलेगी सुविधा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

फाइल फोटो

शहरी क्षेत्र के रेत घाट कोहड़िया के बंद होने बाद उपभोक्ताओं को एक फिर राहत मिलने वाली है। भिलाई खुर्द नए रेत घाट को एक महीने के लिए संचालन की स्वीकृति खनिज विभाग को प्राप्त हुई है। निर्धारित प्रक्रिया पूर्ण कर भिलाई खुर्द रेत घाट शुरू कर दिया गया है। इसके लिए रॉयल्टी पर्ची भी जारी कर दी गई है पर साथ में इस शर्त के साथ स्वीकृति प्रदान की गई है कि इस रेत घाट में उत्खनन और लोडिंग का कार्य मशीनों से नहीं, बल्कि मेन्युअल ही करना होगा। बहरहाल रेतघाट की स्वीकृति से जरूरत के विपरीत सीमित सुविधा में वृद्धि से लोगों को कुछ हद तक राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है। बता दें कि निर्माण कार्यों की जरूरत और अपेक्षाकृत सुविधा कम होने के चलते जिले में रेत की चोरी और मनमाने तरीके से परिवहन के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। एक अरसे से यह खेल चलता आ रहा है। रेत तस्करों की गतिविधियों के कारण अधिकृत रेट घाट चल नहीं पा रहे हैं और ऐसी स्थिति में विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए संबंधित लोगों को कई गुना ज्यादा कीमत पर रेट प्राप्त करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। इस समस्या से लोगों के लिए राहत की जुगत करते हुए अब जाकर खनिज विभाग ने रेत की आपूर्ति को सुगम और सरल करने की दिशा में ध्यान दिया है। खनिज विभाग के अनुसार शहरी क्षेत्र के रेत घाट भिलाई खुर्द के लिए अनुबंध संबंधित प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जिसके बाद लोगों को परेशानियों से राहत मिल सकेगी।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की कार्यकारिणी बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन की द्वितीय कार्यकारिणी बैठक का आयोजन भिलाई खुर्सीपार स्थित अग्रसेन भवन में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश भर के सभी जिलों से लगभग 200 से अधिक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित हुए। बैठक में समाजहित के कई महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा हुई और सर्वसम्मति से कई निर्णय लिये गए। बैठक में संगठन के संरक्षक महेन्द्र सक्सेरिया और जयदेव सिंघल, प्रांतीय चेयरमेन अशोक मोदी (कोरबा), प्रांतीय अध्यक्ष डॉ.अशोक अग्रवाल (रायपुर), कार्यकारी अध्यक्ष राजू अग्रवाल (बिलासपुर), महामंत्री संजय अग्रवाल (रायपुर), कोषाध्यक्ष पंकज कीर्तुका (दुर्ग), महिला अध्यक्ष गंगा अग्रवाल, युवा अध्यक्ष आशीष सक्सेरिया तथा कई अन्य प्रमुख पदाधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे। समाज के 18 क्षेत्रों में कार्य हेतु 18 आयोगों का गठन, जिनमें से 10 आयोगों के संयोजक घोषित किए गए। ये संयोजक अपने-अपने जिलों और ग्रामों में समितियों का गठन कर समाज सेवा करेंगे। अग्र पंचायत नामक 21 सदस्यीय समिति की स्थापना की गई, जिसका उद्देश्य समाज में उत्पन्न पारिवारिक विवादों को कोर्ट-कचहरी के बाहर आपसी समझ से सुलझाना है। शिक्षा ऋण योजना के तहत मेधावी लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को 2 लाख रुपये तक ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकें। राजनीतिक उपेक्षा पर चिंता जताई गई, और समाज की राजनीति में भागीदारी को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। प्री-वेडिंग शूट एवं विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया, जिससे वैवाहिक आयोजनों को सादगीपूर्ण बनाया जा सके। भगवान श्री अग्रसेन जी की निःशुल्क मूर्ति वितरण योजना की घोषणा की गई। साथ ही 50 प्रतिशत अनुदान पर एंबुलेंस योजना की भी जानकारी दी गई। बुजुर्गों के लिए अग्र चौपाल योजना का प्रस्ताव रखा गया, जहां वे धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से अपना समय व्यतीत कर सकें।

बैठक में उपस्थित अग्रवाल संगठन के सदस्य।

न्यायालय द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, जिला कोरबा (छ0ग0)

नियती शुक्ला ....आवेदक

बनाम

1) आम जनता (जिसका इस मामले से संबंध हो). 2) भारतीय स्टेट बैंक द्वारा शाखा प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक शाखा एस.ई.सी.एल मानिकपुर कोरबा तह. व जि. कोरबा (छ0ग0)

....अनावेदकगण

उपरोक्त वादी/आवेदक कु. नियति शुक्ला उम्र 11 वर्ष पिता स्व. संजय शुक्ला माता स्व. नीले शुक्ला प्राकृतिक पूर्व वली दादी श्रीमती कुसुम शुक्ला उम्र 86 वर्ष द्वारा मुख्तियार खास ऋषि शुक्ला के द्वारा अनावेदकगण के विरुद्ध आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के तहत आवेदिका के माता स्व. नीले शुक्ला की मृत्यु दिनांक 9/8/2024 को होने से उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बाबत कोरबा में प्रस्तुत किया गया है और उक्त प्रकरण की सुनवाई हेतु दिनांक 13/06/2025 की तिथि नियत है। अतः उत्तरवादीगण/अनावेदकगण क्र.01 आम जनता जिससे कोई संबंध हो, को उक्त प्रकरण के संबंध में कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 13/06/2025 को 11.00 बजे उपस्थित होकर अपना दावा आपत्ति इस न्यायालय में पेश करें, अन्यथा प्रकरण की सुनवाई आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुये की जायेगी। नोटः- अगर उक्त दिनांक को न्यायालय का अवकाश हो जाता है या पीठासीन अधिकारी अवकाश पर हों, तो प्रकरण की सुनवाई आगामी दिवस में की जावेगी। आज दिनांक 28.04.2025 को न्यायालय के मोहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जानी किया गया।

(डॉली ध्रुव)
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.) कोरबा (छ.ग.)

विशिष्टा ने राष्ट्रीय नृत्य स्पर्धा में हासिल किया पहला स्थान

नृत्य स्पर्धा में विशिष्टा को पुरुस्कृत करते अतिथि।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

जिले की 9 वर्षीय प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना विशिष्टा श्रीवास्तव ने नागपुर में आयोजित ऑल इंडिया कल्चरल नेशनल डांस फेस्टिवल नृत्य संस्कृति में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले और राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 28 से 30 अप्रैल तक नागपुर में अखिल नटराजन अंतर-सांस्कृतिक संघ द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर से लगभग 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए विशिष्टा ने कथक नृत्य की विभिन्न विधाओं जैसे देवी वंदना, चक्कर, परन, भाव, तीन ताल के बोल तथा कृष्ण ठुमरी का बेहद आकर्षक एवं मनमोहक प्रदर्शन किया, जिसने दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशिष्टा कोरबा के निवासी विजय श्रीवास्तव और रितिका श्रीवास्तव की सुपुत्री हैं। वह कथक की शिक्षा सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना कुमारी प्रीती चंद्रा से ले रही हैं, जो इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय से कथक गोल्ड मेडलिस्ट हैं और कई बार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर चुकी हैं। कम उम्र में ही विशिष्टा गोवा, रायपुर, बिलासपुर जैसे विभिन्न मंचों पर भी प्रथम स्थान प्राप्त कर चुकी हैं। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय विशिष्टा अपने माता-पिता और गुरु को देती हैं, जिन्होंने उन्हें हमेशा संस्कृति की गहराई समझाई और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विशिष्टा की यह सफलता न केवल कोरबा बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। इतनी कम उम्र में भारतीय सांस्कृतिक धरोहर कथक को आत्मसात कर वह जिस तरह से मंच पर प्रस्तुत कर रही हैं, वह निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्पद है।

विशेष ग्रामसभा का होगा आयोजन 10 को

कोरबा। छत्तीसगढ पंचायतराज अधिनियम 1993 की धारा 6 (1) (क) में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए कलेक्टर अजीत कुमार वसंत ने आदेशित किया है कि 10 मई को जिले के समस्त ग्रामों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाए। छग पंचायतराज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख) (3) के तहत ग्रामसभा में गणपूर्ति कराने का दायित्व पंच, सरपंच एवं सचिव का होगा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सर्व जनपद पंचायत को निर्देशित किया गया है कि आप अपने क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचायतों में ग्रामवार, विशेष ग्राम सभा का सम्मेलन हेतु अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के अनुमोदन से प्रभारी अधिकारी नियुक्त करते हुए विशेष ग्राम सभा की सारिणी तत्काल जिला कार्यालय को उपलब्ध करावे एवं समस्त ग्रामों में विशेष ग्राम सभा आयोजित कराना सुनिश्चित करें।

कांग्रेस ने निकाली स्वास्थ्य न्याय पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर जिला कांग्रेस कमेटी बिलासपुर ने अपोलो हास्पिटल से नेहरू चौक तक स्वास्थ्य न्याय यात्रा निकाला। जिसमें नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत, पूर्व उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, विधायक देवेन्द्र यादव, पूर्व विधायक, मोहित केरकेट्टा, विनय जायसवाल, सियाराम कौशिक, शैलेष पाण्डेय, रश्मि सिंह, सहित महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, सेवादल, पार्षद, जनप्रतिनिधिगण आदि भारी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अपोलो हास्पिटल से नेहरू चौक तक स्वास्थ्य न्याय पद यात्रा निकालने के बाद नेहरू चौक में आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें कांग्रेस के सभी बड़े नेताओं ने राज्य सरकार पर हमला बोला। इस अवसर पर पूर्व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर सवाल उठाये।

पगड़ी रस्म

स्व. सुमित दुहलानी (बब्बू)

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि मेरे छोटे भाई स्व.थावरमल के सुपुत्र श्री सुमित दुहलानी का आकस्मिक निधन दिनांक 01 मई 2025, गुरुवार को हो गया है जिसकी पगड़ी रस्म 04 मई 2025, रविवार को सांस्कृतिक भवन में दोपहर 01 बजे रखी गई है

फर्म :: थावरमल दुर्गामल, एस.एस. बैटरी एण्ड टायर्स, न्यूराम रेडिमेड, आस्था इलेक्ट्रिकल्स, पंकज एजेंसी

:: शोकाकुल परिवार ::
सेवाराम दुहलानी (बड़े पिताजी)
फतेहचंद, चंदीराम, लक्ष्मणदास दुहलानी (चाचा)
अमित, राम, पंकज, संजय, राजेश, रवि (भाई)
कार्तिक (पुत्र)
एवं समस्त दुहलानी परिवार कटघोरा, बिलासपुर

कोरबा मार्केट

अग्रवाल एजेंसी
कोरबा रोड कटघोरा
99263 62800
98930 06380

गुप्त रोग
विशेषज्ञ से स्त्री-पुरूष मिले 100% गांरटी
आयुर्वेद ईलाज
नामर्दी, शीघ्रपतन स्वप्नदोष, धातु पतला, पेशाब के साथ धातु गिरना, जलन, छोटापन, टेढ़ापन,सिपलिस, गनौरिया, चर्मरोग इत्यादि सभी प्रकार
20 वर्षो से स्थाई के गुप्तरोग का ईलाज किया जाता है।
बिना ऑपरेशन गारंटी ईलाज अण्डकोष बवासीर, भगंदर
देशी, विदेशी लिंगवर्धक यत्र उपलब्ध है।
मां सर्वमंगला क्लीनिक
डॉ. आर.के. बंगाली, नया बस स्टैंड रोड पर बंगाली चाल ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा मो. 9074665998

HEALTH TOWN

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 8103128515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.

नाक,कान, गला विभाग
- सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
- ऑपरेशन द्वारा ईलाज
- नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जॉच
एलर्जी

Dental & Consmetic Treatments
- टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
- दांतो की नसों का इलाज
- दांतों की सफाई व चमकाना
- दंत प्रत्यारोपण
- मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

खबर संक्षेप

पीएम आवास सर्वेक्षण की समय सीमा बढ़ाई गई 15 तक

कोरबा। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण की समय-सीमा बढ़ाकर 15 मई तक बढ़ा दी गई है। भारत सरकार ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण की समय-सीमा को बढ़ाकर 15 मई तक कर दी गयी है पहले यह सर्वेक्षण 30 अप्रैल तक निर्धारित था। सरकार ने यह निर्णय राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से प्राप्त अनुरोधों के आधार पर लिया है। ताकि सर्वेक्षण प्रक्रिया को पूरी गंभीरता और व्यापकता के साथ सपन्न किया जा सकें। इस पहल का उदेश्य हर पात्र ग्रामीण परिवार की पहचान सुनिश्चित करना है। जिन्हें अब तक पक्के आवास का लाभ नहीं मिल पाया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का लक्ष्य वर्ष 2028 सभी के लिए आवास उपलब्ध कराना है। यह योजना आर्थिक रूप से गरीब/कमजोर ग्रामीण परिवारों को स्थायी और सुरक्षित पक्का आवास प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

बेहतर परिणाम लाने वाले विद्यार्थियों को मिलेगी कोचिंग की सुविधा

कोरबा। जिले के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा सहित मेडिकल एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में प्रवेश के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10वीं की परीक्षा अच्छे नम्बरों से पास करने वाले विद्यार्थियों को नीट एवं जेईईई की कोचिंग के लिए रायपुर भेजा जाएगा। कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में 10वीं बोर्ड के परिणाम के साथ ही सूची तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह कक्षा नौंवी तथा कक्षा 11वीं में अच्छे नम्बरों से पास होने वाले हर ब्लॉक के 10-10 विद्यार्थियों को राजधानी रायपुर में शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाएगा। इस दौरान उन्हें महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थानों का अवलोकन भी कराया जाएगा। उन्होंने जिले के कम से कम 20 प्रतिभावान विद्यार्थियों को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) का भ्रमण कराने हेतु डीईओ को इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने जिले के विद्यार्थियों हेतु समर कैंप आयोजित करने, जिले के विद्यार्थियों को जिले के सार्वजनिक उपक्रमों, खदान, बांगो डेम आदि का भी भ्रमण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने हर ब्लॉक में विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इनवायरमेंट प्रदान करने वर्चुअल रियालिटी (वीआर) लैब की स्थापना की बात कहते हुए सभी ब्लॉक में 5-5 विद्यालयों के नाम प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

सीपीएस पाली का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

पाली। छत्तीसगढ़ पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल पाली के प्राथमिक एवं माध्यमिक प्रमाण पत्र परीक्षा का परिणाम शत प्रतिशत रहा। जिसमें कक्षा पांचवी से अंश कुमार जगत 93.50 प्रतिशत कावेरी तंवर 93.50 प्रतिशत प्राची निषाद 93.50 प्रतिशत शालिनी राज 93 प्रतिशत रिया बिंझवार 92.50 प्रतिशत आदर्श श्रीवास 91.5 0 प्रतिशत आकृति साहू 91.50 प्रतिशत, , नित्या तांडिया 91.50 प्रतिशत,जय पटेल 86.5 प्रतिशत डीकेश पैकरा 86 प्रतिशत परिधि श्रीवास 84.50 प्रतिशत, आरती 81.50 प्रतिशत एवं आरुषि 77 प्रतिशत प्राप्त कर संस्था का गौरव बढ़ाया है। इसी प्रकार पूर्व माध्यमिक परीक्षा में श्रेया तंवर 87.67 प्रतिशत सानिया पटेल 87.67 प्रतिशत रितिका उरांव 86 प्रतिशत पूरब पटेल 84.50 प्रतिशत सिद्धार्थ फुलेश्वर 80.17 प्रतिशत हरीश यादव 72 प्रतिशत आयुष राज 71.50 प्रतिशत सफल सभी छात्राओं को संस्था प्रमुख एवं शाला परिवार की तरफ से बधाई दी गई। संस्था प्रमुख शिक्षाविद डॉ. गजेंद्र तिवारी ने बताया कि हमारी संस्था में निःबालिका शिक्षा पर समाज से वंचित ऐसी बालिकाएं जो शिक्षा से परे हैं उनको जोड़ा जा रहा है अभी वर्तमान में 135 बालिकाएं फ्री एजुकेशन ले रही हैं, क्यों जरूरी है गर्ल्स एजुकेशन वर्तमान युग शिक्षा का यूग है हर कोई शिक्षा को प्राप्त करना चाहता है चाहे वह पुरुष या फिर महिला हर कोई शिक्षा को प्राप्त करना चाहता है भारतीय संस्कृति में महिलाओं को माता जैसे विशेष शब्दों से संबोधित किया गया है या फिर कहा जा सकता है कि महिलाओं को देवियों का रूप माना गया है तत्पश्चात अर्थात कुछ दशक पहले महिलाओं को मात्र घर का कामकाज करने के लायक ही माना जा रहा था।

दो स्टेशन मास्टर सस्पेंड

गलत सिग्नल मिला, गेवरा जाने वाली लोकल पहुंच गई कुसमुंडा साइडिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा/ बिलासपुर

शनिवार को गलत सिग्नल का नतीजा ऐसा हुआ कि गेवरा स्टेशन जाने वाली बिलासपुर-गेवरा छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कम लोकल कुसमुंडा साइडिंग में पहुंच गई। अचानक साइडिंग को देखकर चालक के भी होश उड़ गए। इसकी जानकारी मिलते ही बिलासपुर डिवीजन के अधिकारियों ने तत्काल कुसमुंडा और कोरबा स्टेशन के स्टेशन मास्टर को सस्पेंड करने का आर्डर जारी कर दिया है।

बिलासपुर से रायपुर, नागपुर होते हुए अमृतसर तक चलने वाली छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस प्रतिदिन सुबह बिलासपुर-गेवरारोड लोकल बनकर सुबह बिलासपुर स्टेशन से 7.30 बजे रवाना की जाती है। यही ट्रेन गेवरा से वापस छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस बनकर बिलासपुर और अमृतसर के लिए दोपहर 2 बजकर 20 मिनट पर निकलती है। प्रतिदिन की तरह शनिवार की सुबह बिलासपुर-गेवरारोड छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस कम लोकल स्टेशन से रवाना की गई थी। यह ट्रेन सुबह 11.30 बजे कोरबा पहुंचने के बाद गेवरा के लिए रवाना होने के बाद वापस दोपहर 1 बजे वापस होकर कोरबा स्टेशन पहुंचती है, जहां से दोपहर डेढ़ बजे बिलासपुर के लिए रवाना की जाती है। प्रतिदिन की तरह लोकल ट्रेन शनिवार को अपने समय के अनुसार कोरबा स्टेशन पहुंची थी। स्टेशन में स्टापेज के कुछ देर बाद गेवरारोड स्टेशन के लिए रवाना कर दी गई। यह लोकल ट्रेन गेवरा रेलवे स्टेशन जाने के बजाय एसईसीएल कुसमुंडा की न्यू रेलवे साइडिंग पहुंच गई, जो कोल लोडिंग पाइंट के दायरे में आता है। इस ट्रेन में बड़ी संख्या में यात्री भी सफर कर रहे थे। अचानक गेवरा स्टेशन के बजाय कुसमुंडा साइडिंग में ट्रेन के पहुंचते ही यात्रियों में हड़कंप मच गया।

कुसमुंडा रेलवे साइडिंग में जाती यात्री गाड़ी।

किया गया है सस्पेंड

गलत लाइन पर ट्रेन को ले जाने के मामले में जांच शुरु कर दी गई है। जांच चलने तक कुसमुंडा और कोरबा के स्टेशन मास्टर को सस्पेंड कर दिया गया है। जांच की रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अनुराग कुमार सिंह
सीनियर डीसीएम, रेल मंडल बिलासपुर

चालक भी ट्रेन का रूट अचानक चेंज होने पर आश्चर्यचकित हो गए। इसकी जानकारी गेवरा रोड रेलवे स्टेशन और कुसमुंडा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर से लेने का प्रयास किया। गेवरा रेलवे स्टेशन में मौजूद स्टाफ ने सिग्नल की तकनीकी त्रुटि की वजह से इस तरह की घटना होने की जानकारी दी। इसकी जानकारी मिलते ही बिलासपुर जोनल हेड क्वार्टर और डिवीजन कार्यालय में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने पूरी जानकारी लेने के बाद कुसमुंडा के स्टेशन मास्टर जितेश दास और कोरबा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर एके जायसवाल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर जांच शुरु कर दी है।

सीएमडी ने दीपका व कुसमुंडा खदान का किया निरीक्षण

खदान का निरीक्षण करते एसईसीएल सीएमडी व अन्य।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल के सीएमडी हरीश दुहान ने दीपका और कुसमुंडा मेगा प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया। इस

खास बात

- कोयला उत्खनन का निरीक्षण कर उत्पादन बढ़ाने पर दिया जोर

दौरान उन्होंने एसईसीएल दीपका व कुसमुंडा प्रबंधन के अधिकारियों से मशीन और उपकरण की तैनाती बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। सीएमडी श्री दुहान ने कोयला उत्खनन संबंधी जानकारी जुटाई और लक्ष्य अनुरूप कोयला उत्पादन के निर्देश दिए।

सीएमडी एसईसीएल हरीश दुहान ने शनिवार को दीपका मेगा प्रोजेक्ट का दौरा किया और संचालन की विस्तृत समीक्षा की। अनुबंधित केसीसी पैच पर उन्होंने अधिकारियों को पर्याप्त कार्य स्थान को देखते हुए ठेकेदार को मशीन और उपकरण की तैनाती बढ़ाने का भी निर्देश दिया। इसके बाद श्री दुहानी ने विभागीय पैच की समीक्षा की और संचालन को और बढ़ाने पर जोर दिया। लोअर कुसमुंडा-1 पैच में मानसून के लिए चल रही तैयारियों की समीक्षा और चर्चा की गई। सीएमडी ने डिस्पैच सिस्टम का भी निरीक्षण किया और एनटीपीसी को कोयला आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप क्षेत्र से उत्पादन बढ़ाने के महत्व पर बल दिया।

कोटवारी भूमि के खंगाले जा रहे पुराने रिकार्ड, टीम का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोटवारी भूमि के निरस्तीकरण की कार्यवाही जिला प्रशासन के द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसको लेकर पुराने रिकार्ड भी

खास बातें

- लगातार हो रही कोटवारी भूमि के निरस्तारीकरण की कार्रवाई
- पुराने खसरा नंबर को बदलकर नए खसरा नंबर की आड़ में जमीन का कब्जा

खंगाले जा रहे हैं जिनमें कोटवारी भूमि की खरीदी बिक्री की गई थी। इसके लिए राजस्व अधिकारियों की टीम भी गठित की गई है, जो कोटवारी भूमि के रिकार्ड के साथ जो मामले न्यायालय में चल रही है उनका भी परीक्षण कर रही है।

जिले में बड़े पैमाने पर खरीदी बिक्री का काम हुआ है, इसे लेकर अब जाकर कार्यवाही की जा रही है। राजस्व अधिनियम अंतर्गत कोटवारी भूमि की खरीदी बिक्री नहीं की जा सकती उसके बावजूद जिले में कोटवारी भूमि के खरीदी बिक्री का खेल बेधड़क और बड़े पैमाने पर खेला गया। जमीन का सीमांकन होने के साथ साथ इसकी रजिस्ट्री भी हुई।

सबसे बड़ी आश्चर्य की बात यही है कि आखिर कोटवारी भूमि का सीमांकन पटवारी प्रतिवेदन खरीदी बिक्री के लिए राजस्व विभाग के अधिकारियों ने कैसे तैयार किया। जबकि कोटवारी भूमि की खरीदी बिक्री नहीं की जा सकती। इस मामले में जमीन नामांतरण को निरस्त किया जा रहा है वहीं तत्कालीन जिम्मेदार हल्का पटवारी और आरआई के उपर गाज गिरना बाकी है। कोटवारी भूमि के कुछ मामले न्यायालय में भी विचाराधीन है जिनके परीक्षण के लिए राजस्व अधिकारियों की टीम भी गठित की गई है जो पुराने राजस्व रिकार्ड और किस समय जमीन की खरीदी बिक्री की गई है इसका पूरा परीक्षण कर रही है। ताकि न्यायालय में चल रहे प्रकरण में प्रशासन की ओर से जवाब प्रस्तुत किया जा सके। कुछ हल्कों में पुराने खसरे नंबर की जगह नया खसरा नंबर के आड़ में जमीन कब्जे करने के मामले प्रशासन के नजर में आया है जिनमें एसडीएम का हवाला बताया जा रहा है। ऐसे मामलों में कलेक्टर अजीत वसंत ने संज्ञान लिया है और ऐसे प्रकरणों की छानबीन कराई जा रही है।

दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में हुई है खरीदी- बिक्री

कोटवारी भूमि की अधिकांश खरीदी बिक्री दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में हुई है, जहां आमतौर पर प्रशासन की नजर नहीं जाती जिसका फायदा भूमाफियाओं ने जमकर उठाया है। जिनके माध्यम से शहर के कई नामचीन लोगों ने ग्रामीण अंचलों में कोटवारी भूमि खरीदी है। प्रशासन के द्वारा कोटवारी भूमि का नामांतरण निरस्त करने की कार्यवाही से ऐसे लोगों में हड़कंप मच गया है।

महीनों से बिजली खंभा दो हिस्सों में फिर भी चालू है करंट, बड़ी दुर्घटना की आशंका

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

बरपाली फीडर अंतर्गत उमरेली गांव में बिजली का खंभा टूटने से बड़ी दुर्घटना की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार आंधी-तूफान के कारण

खास बात

- बरपाली फीडर अंतर्गत उमरेली गांव का मामला

लगा एक बिजली का खंभा दो हिस्सों में टूट गया, लेकिन विभाग की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई। इस खंभे में अब भी करंट प्रवाहित हो रहा है, जिससे आसपास रहने वाले लोगों की जान पर खतरा मंडरा रहा है।

उमरेली के अमरनाथ चौक ब्राह्मण मोहल्ला में महीनों से बिजली खंभा दो हिस्सों में टूटा हुआ है, जो एक पोल के सहारे टिका हुआ है। बगल में एक और खंभा लगा दिया गया है, लेकिन विद्युत वायर का स्थानांतरण नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों ने विभाग को कई बार सूचना दी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे वहां से गुजरने वाले राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों की जान पर खतरा बढ़ गया है। क्षेत्रीय ठेकेदार अंतराम यादव ने बताया कि उन्होंने एस्टीमेट विभाग को सौंप दिया है, लेकिन उन्हें अभी तक कोई आदेश नहीं मिला है। क्षेत्रीय जनपद सदस्य नर्मदा देवांगन ने बताया कि खंभा 4 महीने पूर्व लगा दिया गया है, लेकिन विद्युत वायर का स्थानांतरण नहीं किया गया है। इससे संभावित दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है। ग्रामवासियों ने विभाग से मांग की है कि टूटे हुए खंभे को बदला जाए और विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित ढंग से संचालित किया जाए। जब तक विभाग कार्रवाई नहीं करता, तब तक वहां चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिससे जान-माल की हानि हो सकती है। वहीं, इस मामले में विभाग के अधिकारी कुछ और ही कह रहे हैं। उनका कहना है कि ठेकेदार को एस्टीमेट बनाने के लिए कहा गया है, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इससे स्पष्ट होता है कि विभाग और ठेकेदार के बीच समन्वय की कमी के कारण यह समस्या बनी हुई है।

अमलडीहा में भी टूटा खंभा

करतला विकासखंड व बरपाली फीडर अंतर्गत आने वाले ग्राम अमलडीहा में भी बीते दिन आई तेज आंधी-तूफान के कारण गुड़ी चौक में लगा एक बिजली का खंभा दो हिस्सों में टूट गया। स्थानीय लोगों के अनुसार आंधी के दौरान खंभा तेज हवा के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन इसके बावजूद विभाग की ओर से कोई त्वरित कार्रवाई नहीं की गई। इस खंभे में अब भी करंट प्रवाहित हो रहा है। यदि समय रहते इसे नहीं बदला गया, तो कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। ग्रामवासियों का कहना है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत टीम भेजकर टूटे हुए खंभे को बदला जाए और विद्युत आपूर्ति को सुरक्षित ढंग से संचालित किया जाए। लोगों का कहना है कि जब तक विभाग कार्रवाई नहीं करता, तब तक वहां चेतावनी बोर्ड या बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि संबंधित विभाग जल्द से जल्द इस मुद्दे पर संज्ञान लेकर उचित कदम उठाएगा।

कुसमुंडा खदान प्रभावित 40 भूविस्थापितों को मिलेगी नौकरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

एसईसीएल कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा अधिग्रहित विभिन्न ग्रामों के रोजगार हेतु लंबित प्रकरण एवं ग्राम पाली, खोडरी के भूविस्थापितों को विस्थापित, मुआवजा, रोजगार एवं अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विगत दिनों एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर द्वारा भूविस्थापितों को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए लगभग 40 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने बावत स्वीकृति आदेश कुसमुण्डा क्षेत्र के लिए जारी किया गया। जिसका अनुपालन करते हुए कुसमुंडा महाप्रबंधक सचिन तानाजी पाटिल द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कटघोरा से संपर्क कर भूविस्थापितों के साक्षात्कार दो चरणों में कराया गया। महाप्रबंधक, कुसमुण्डा क्षेत्र द्वारा दिये गये निर्देशों का तत्काल पालन करते हुए उपरोक्त विभागों द्वारा डॉ० सुबोध कुमार, क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी, कुसमुण्डा क्षेत्र से संपर्क कर 40 भूविस्थापितों का आईएमई चिकित्सकीय परीक्षण कराने हेतु कार्रवाई की गई तथा क्षेत्रीय चिकित्सा अधिकारी द्वारा बिना विलंब किये संबंधित भूविस्थापितों का आईएमई दो दिनों के भीतर संपन्न कर प्रतिवेदन संबंधित विभाग में प्रस्तुत किया गया। नौकरी हेतु जारी लिस्ट उपरांत सभी 40 भूविस्थापितों के त्वरित साक्षात्कार एवं मेडिकल परीक्षण होने से उन्हें जल्द से जल्द नौकरी मिलेगी। एसईसीएल प्रबंधन कुसमुंडा क्षेत्र से प्रभावित समस्त ग्रामों की उन्नति हेतु अत्याधिक प्रयत्नशील है और भविष्य में भी इस प्रकार भू विस्थापितों के उन्नति हेतु कार्रवाई करने संकल्प भी लिया गया है।

भूविस्थापितों से चर्चा करते राजस्व अधिकारी।

हरिभूमि बिलासपुर नं. 1 आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहक बंधुओं आपका अपना
प्रिय अखबार हरिभूमि के स्थान पर
अगर कोई अन्य अखबार दिया जा रहा है
तो कृपया इस नंबर पर संपर्क करें

टी.पी. नगर बी. ब्लॉक कामर्शियल
काम्पलेक्स, कोरबा मो. 7049267780

पहलगाम घटना के विरोध में 6 को अखंड हिन्दू समाज निकालेगा आक्रोश पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में आंतकवादी द्वारा की गई 26 पर्यटकों की हत्या के विरोध में हिन्दू

खास बातें

- हिंदू पंचायत ने बैठक में किया ऐलान
- आम लोगों से किया पदयात्रा में जुड़ने का आह्वान

महापंचायत ने 6 मई को आक्रोश पद यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। दो दिन पूर्व हिन्दू महापंचायत की आहूत बैठक में जिसमें विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता शामिल थे। सभी की सहमति से आक्रोश पद यात्रा निकालने का निर्णय लेते हुए आम लोगों से इस पद यात्रा में जोड़ने का आहवान किया है।

हिंदुओं के नरसंहार ने देश के साथ-साथ जिले के नागरिकों को भी गहरे आघात में डाल दिया है। इस दर्दनाक और अमानवीय घटना के विरोध में हिंदू महापंचायत (सर्व हिंदू समाज) एवं विश्व हिंदू परिषद, कोरबा द्वारा एकजुट होकर बड़ा जनांदोलन करने का निर्णय लिया गया है। 27 अप्रैल को इस विषय पर विचार-विमर्श हेतु एक आपात बैठक आयोजित की गई, जिसमें कोरबा जिले के विभिन्न समाजों और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई और यह संकल्प लिया गया कि इस क्रूर नरसंहार के खिलाफ अब हिंदू समाज चुप नहीं बैठेगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दिनांक 06 मई 2025, मंगलवार, शाम 4:00 बजे, सुभाष चौक, निहारिका, कोरबा से एक विशाल आक्रोश पदयात्रा निकाली जाएगी, जो कलेक्टर कार्यालय तक जाकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपेगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग करेगी। इस महापंचायत में जिले के अनेक समाजों, संगठनों एवं संस्थानों ने भागीदारी सुनिश्चित की है, जिनमें शामिल हैं।

बैठक में उपस्थित सर्व समाज व हिन्दू महापंचायत के सदस्य।

बैठक में इन समाज संगठनों ने दी भागीदारी

साहू समाज, सतनामी समाज, गुजराती समाज, अग्रवाल समाज, पंजाबी समाज, लायंस क्लब, रोटरी क्लब, जेसीआई क्लब, सीए एसोसिएशन, ऑटो संघ, भारतीय किसान संघ, गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, पतंजलि योगपीठ, संयुक्त महाराष्ट्र सेवा मंडल, गौशाला सेवा समिति, श्री श्याम मित्र मंडल, श्री सप्तदेव मंदिर, आर्य समाज, नारायणी सेना, चैंबर ऑफ कॉमर्स, विद्यार्थी संघ, अग्रसेन पब्लिक स्कूल, अहिरवार समाज, रविदास समाज, पटेल समाज, बरेठ समाज, देवांगन समाज, जैन समाज, सोनी समाज, तमिल समाज, मलयाली समाज, कच्छ गुर्जर क्षत्रिय समाज, यादव समाज, राठौड़ समाज, कुंवर समाज, बंगाली समाज, तेलुगु समाज, चंद्र समाज, क्षत्रिय समाज, बजरंग दल आदि।

सम्भाग का प्रथम Hightech नेत्र अस्पताल
आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय
ZEPTO ज़ेप्टो अमेरिकन (FDA) तकनीक द्वारा
मोतियाबिंद का एडवांस फेको ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण
अब तक 1.50 लाख से अधिक सफल नेत्र आपरेशन पर मुख्यमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ गौरव सम्मान

डॉ. एल.सी. मढ़रिया
MBBS,MS
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं फेको सर्जन

डॉ. एश्वर्य मढ़रिया
MBBS, MS, FVR,
LVP-Hydrabad
नेत्र रोग विशेषज्ञ
एवं रेटिना विशेषज्ञ

● 35 वर्ष से नेत्र चिकित्सा सेवा ● डायबिटीज व रेटिना के बीमारी के अंधत्व का त्वरित ईलाज लेसर द्वारा
आई.जी.ऑफिस रोड, नेहरू चौक, बिलासपुर
फोन : 07752-402070, 228277,
मो. : 9826190123, 9669979123

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्पेशल ट्रेन - 14अगस्त से 19 अगस्त (6 दिन)
श्री अयोध्या तीर्थयात्रा
प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या
राशि:-स्लीपर 8,500/-, 3 एसी 16,500/-, 2 एसी 22,500/-(+ 5% GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR- D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411